

असंस्कृत वि. (तत्.) 1. संस्कारहीन 2. जिसका संस्कार न हुआ हो, अपरिमार्जित, अपरिशोधित, बिना सुधारा हुआ, ग्राम्य, अनगढ़ विलो. सुसंस्कृत

असंस्तुत वि. (तत्.) 1. जिसकी संस्तुति (सिफारिश) न की गई हो 2. अकथित, अप्रशंसित 3. जो प्रसिद्ध न हो 4. बिना लगाव का विलो. संस्तुत।

असंस्थित वि. (तत्.) 1. अनवस्थित, व्यवस्थारहित क्रमहीन 2. चल 3. असंगृहीत।

असंस्थिति स्त्री. (तत्.) 1. कार्य के व्यवस्थित न होने का भाव, अव्यवस्थितता 2. नियमों का पालन न होना, अनियमितता 3. क्रमहीनता 4. किसी प्रकार की कमी।

असंस्पर्शी वि. (तत्.) जिसका शारीरिक संपर्क नहीं होता, संस्पर्श-रहित।

असंस्पर्शी खेल पुं. (तत्.) खेल. खेल जिसमें खिलाड़ियों को शारीरिक संस्पर्श की आवश्यकता नहीं पड़ती जैसे- गोल्फ, तैराकी, जिमनास्टिक्स आदि।

असंहत वि. (तत्.) 1. जो संहत या घना या अंतर्ग्रथित न हो 2. बिखरा हुआ।

असकृत क्रि.वि. (तद्.) पुनः पुनः, बार-बार, अनेक बार, अक्सर, प्रायः।

असक्त वि. (तत्.) 1. जो आसक्त न हो 2. जो लिप्त, चिपका या सटा न हो 3. तटस्थ, उदासीन, सांसारिक विषयों से विरक्त, कर्मफल निरपेक्ष।

असगंध पुं. (तद्.) 1. अश्वगंधा नामक औषधीय पौधा 2. उक्त पौधे का मूल या जड़ वि. अश्वगंधा का पौधा प्रायः मीटर ऊँचा होता है, चौड़े पत्ते तथा कुछ पीलापन लिए हुए फूल तथा छोटे-छोटे कुछ लालिमा लिए हुए फलों वाला यह क्षुप अनेक रोगों में उपयोगी होता है, इसके सभी अंग औषधि का कार्य करते हैं।

असगर वि. (अर.) बहुत छोटा, सूक्ष्म टि. सगीर का लघु रूप।

असगुन पुं. (तद्.) दे. अशकुन विलो. सगुन।

असगोत्र वि. (तत्.) जो सगोत्री न हो, भिन्न-गोत्रीय, भिन्न कुल का विलो. सगोत्र।

असच्छास्त्र पुं. (तत्.) (असत् शास्त्र) उन्मार्ग की ओर ले जाने वाला शास्त्र, धर्मविरोधी शास्त्र विलो. सच्छास्त्र

असजात्य वि. (तत्.) जो सजात्य अर्थात् रक्त-संबंधी न हो। विलो. सजात्य।

असज्जन वि. (तत्.) दुष्ट, खल, नीच, बुरा पुं. (तत्.) बुरा आदमी, दुर्जन विलो. सज्जन।

असद्विया पुं. (तद्.) 1. आषाढ़ मास से संबंधित, आषाढ़ मास में होने वाला, पकने वाला, बोया जाने वाला (अनाज आदि) 2. एक विशेष साँप, जिसकी पीठ पर कई प्रकार की चित्तियाँ होती हैं।

असती वि. (तत्.) (स्त्री.) 1. जो सती न हो 2. दुराचारिणी, कुलटा, व्यभिचारिणी, जो पति के प्रति एकनिष्ठ न हो स्त्री. वेश्या।

असत् वि. (तत्.) 1. अस्तित्वहीन, अविद्यमान, मिथ्या, अनुचित 2. बुरा, खराब पुं. 1. अनस्तित्व 2. सत्ताहीन होने का भाव 3. मिथ्यात्व विलो. सत्।

असत्कार पुं. (तत्.) 1. आवभगत न होना 2. अपमान, निरादर 3. अहित। विलो. सत्कार।

असत्कार्यवाद पु. (तत्.) असत् से भी सत् की उत्पत्ति हो सकती है इस प्रकार का 'न्यायदर्शन' का सिद्धांत, सांख्य के 'सत्कार्यवाद सिद्धांत' का विरोधी सिद्धांत दे. आरंभवाद।

असत्कृत वि. (तत्.) 1. जिसका (उचित) सत्कार न किया गया हो 2. जिसका तिरस्कार या अपमान किया गया हो, जिसके साथ अनुचित व्यवहार किया गया हो।

असत्कृत्य पुं. (तत्.) अनुचित कर्म, दुष्कृत्य वि. बुरा काम करने वाला विलो. सत्कृत्य।

असत्क्रिया स्त्री. (तत्.) बुरी क्रिया, बुरा परिणाम देने वाली क्रिया, दुर्व्यवहार, कुकर्म।